



पाठ - सायंभजन
माह - सावद्रम्वर

पाठ्यक्रम :

पाठ २०, अनोखी चिड़िया

मिनती :

४२ से ६० अंके एवं बच्चों में

गैरिक कविता :

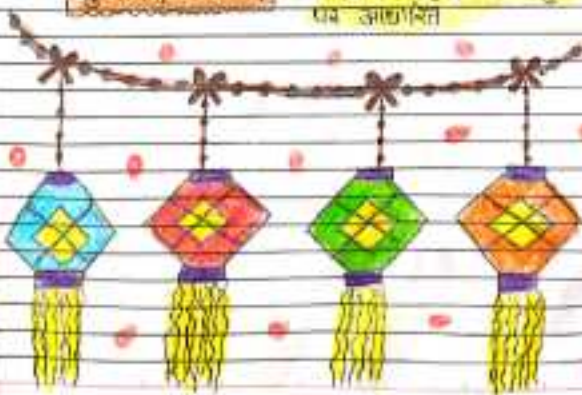
पाठ २२, दीप से दीप लल्लाओ

व्याकरण :

पाठ २०, मुहावरे

मुल्यंकन गतिविधि :

पक्षी निरीक्षण एवं मुहावरे पर आधारित



→ યાદ રાખો કે કાંઠાથી નીકળેલા પાત્ર તરબોરા જેવા
 બહારના બાહ્યના નીકળેલા પાત્ર બહારના બાહ્યના



કાંઠાથી નીકળેલા

પાત્ર
 તરબોરા

अनुपाद

अनुपादों का प्रयोग काव्य में केवल अनुपादों में ही होता है।

अनुपादों के प्रकार

1. अनुपाद

2. अनुपाद

3. अनुपाद

4. अनुपाद

5. अनुपाद

6. अनुपाद

7. अनुपाद

8. अनुपाद

9. अनुपाद

10. अनुपाद

अनुपादों का प्रयोग काव्य में केवल अनुपादों में ही होता है।

४ मौखिक प्रश्न-उत्तर

- १) डाक से राजन चाचा का पत्र आया।
- २) राजी की रुचि 'मिथर पोस्टकार्ड' इकट्ठा करने में बढ़ी।
- ३) कीवी न्यूज़ीलैंड का राष्ट्रीय पक्षी है।
- ४) न्यूज़ीलैंड के निवासियों को 'कीवी' नाम से पुकारा जाता है।
- ५) कीवी दार्जीलिंग चाय की खेती है।

४ लिखित प्रश्न-उत्तर

प्र १ → कीवी की तस्वीर देखकर मोहित ने पापा से क्या पूछा?

उत्तर → कीवी की तस्वीर देखकर मोहित ने पापा से पूछा कि यह कौन-सी चिड़िया है।

प्र २ → कीवी की दार्जीलिंग ब्राण्ड कैसी होती है? तीन-चार ताम्रों में लिखें।

उत्तर → कीवी का शरीर छोटा-मोटा और लंबे बड़े पैरों के कारण से फूला होता है। बीच-बीच में लंबा नाक से जुड़ा हुई होती है। होठ छोटी, पंख नन्हे-नन्हे होते हैं। दुम तो लम्बा गायल होती है।

प्र ३ → कीवी क्यों चली है और क्या-क्या खाती है?

उत्तर → कीवी घने जंगलों में चली है। वह केचुप, कीड़े-मकौड़े और फल-फूल खाती है।

प्रश्न :- हम पशुओं के लिये खाने की कुछ नई बातें सोच
सकते हैं कि वे पशु अच्छी तरह खाए जा सकें हैं।

उत्तर :- पशुओं को हम अनेक दिशाओं में खाने की चीजों को दे सकते हैं।
 यहाँ पशुओं को खाने के लिये हम अनेक चीजें दे सकते हैं।
 यह जाननी है।

गमक बाई :- हमें खाने के लिये नई चीजें देनी हैं।

पाठ आयोजन
माह नवंबर

पाठ्य पुस्तक

पाठ २२ विक्रिक
पाठ २३ दीप से दीप जलाओ

शिक्षिका

पुनरावलोकन

सोशियल नविकरण

सुनवावलोकन ५२ से ६०
दूर से जो आपको एवं अलगा में

लवकषण

पाठ २२ बालक मंडार (पेज २२-२३)

वर्तमान प्रतिक्रिया

PA2 - 5



पहला सप्ताह
दीवाली उपलक्ष्य

गिनती के दो जोड़े जो जालों में गड़ी हुई हों
में लिखा गया है।

६३ दकनत

६४ वक्रत

६५ निरेमत

६६ जोगत

६७ गैरत

६८ शिरानत

६९ गानत

७० जटगत

७१ उभयतर

७२ बालत

गणित

दो जोड़े अक्षरों में लिखे।

ज्यादा → परापूर्वक में में लिख लेंगे।

मृतलेखन

- | | |
|--------------|-------------|
| १. पिदगाथा | ६. जन्मदिन |
| २. समकाल | ७. हृत्पत्र |
| ३. नोकलेख | ८. अंतोष |
| ४. विस्तृत | ९. ईश्वर |
| ५. प्रतीक्षा | १०. आकाश |

सहकार्य → आधार करेगा।

मौखिक प्रश्न-उत्तर

१. लंदे विकसित मानने चर्च में आए थे।
२. नीलेश ने लेख-कारों से कुछ पैसे कोट की लेख में करने का सुझाव दिया।
३. पत्रों ने कोट की लेखों में आए, नोकलेख और टिप्पणियाँ रख दी थीं।

लिखित प्रश्न-उत्तर

प्र. 1. ईशान के सुझाव पर नीलेश ने क्या उत्तर दिया ?

उत्तर : ईशान के सुझाव पर नीलेश ने कहा - 'मिसे किसी के मसखाने में देकर हम क्या मिसेगा ? क्यों न हम उस माली को खूब कपड़े का कोई आधा सेतों और अपनी जेब-खर्च के पैसे में से एक दो सप्ताह निकालकर उसकी जेब में रख दें ।'

प्र. 2. माली अपने बेटे की इच्छा क्यों पूरी नहीं कर सकता था ?

उत्तर : माली के पास पैसे नहीं थे इसलिए वह अपने बेटे की इच्छा पूरी नहीं कर सकता था ।

प्र. 3. कोट की जेबें भरी देखकर माली के कैसा लगा ?

उत्तर : नीलेश की जेबें भरी देखकर माली के बहुत अच्छा लगा। उसने ईशान को धन्यवाद देते हुए कहा कि ईशान सबके मन को जाननेवाला है। बाका उसने किसी के द्वारा मुझे पैसे और चोरी-छिपे दिलाकर मेरे बेटे की इच्छा पूरी कर दी है।

प्र. 4. लकड़ों के मूख पर संतोष का भाव क्यों था ?

उत्तर : आज लकड़ों के उलझने में ही पर एक उत्तरमंद की मदद की थी। इसलिए सबके मुँह पर संतोष का भाव था।

संक्षेप

→ आश्वासन एवं वाद करेंगे।

सुनामः २५ अक्षां ३५५५ दिक्कामागे १

दीया ये नीम जलामे



लक्षणा → T.S में से लिखता हूँ।

श्रुतलेखन

- | | |
|------------|------------|
| १. त्योहार | ६. बंदनहार |
| २. खुशहाली | ७. दीवाली |
| ३. धूमधाम | ८. दिवस |
| ४. लज्जे | ९. सुंदर |
| ५. उल्लास | १०. फुलकने |

सुझाव → दो साथ लिखकर अभ्यास करेंगे।

मौखिक प्रश्न उत्तर

- १.) दीवाली को दीयों का त्योहार कहते हैं।
- २.) दीवाली पर दीयों की धूमधाम, सजे हुए घर और बाजार में सब कुछ खुश होते हैं।
- ३.) दीवाली की रात बाजार सजे हुए होते हैं और लोग खुशी-खुशी खरीदारी करते हैं।
- ४.) बगीचे में फूलों की तरह खिलकर, हल्की-खुशी के गीत गाकर, दीयों से घर आजाकर, फुलवाड़ी और अलाद सुनकर त्योहार मनाने को कहते हैं।

लिखित प्रश्न-उत्तर

प्र. २- दीवाली पर घर सुंदर क्यों लगते हैं ?

उत्तर- दीवाली के त्योहार पर घर दीयों से सजा जाते हैं। भीतर-बाहर कुचाला झा जाता है। घर-घर बंदनगर साजगार होते हैं जिससे घर सुंदर लगते हैं।

प्र. ३- दीवाली पर क्यों क्या करते हैं और कैसे सुख लेते हैं ?

उत्तर- दीवाली पर कच्चे घर को सजोने में मदद करते हैं, दीया बखरते हैं, हंसते-जते फुल्लझडी और अगर सुझते हैं तब चमो और फुल्लको हुए हंसी-खुशी के गीत गाते हैं।

प्र. ३- हलवे चारों ओर क्यों फुल्लकते हैं ?

उत्तर- खुशी के कारण कच्चे चारों ओर फुल्लकते हैं।

प्र. ४- आप दीवाली कैसे मनाते हैं ?

उत्तर- परिवार के सभी लोगों के साथ मिल-जुलकर हम दीवाली मनाते हैं दीए और सोमखतिरी जलाने हैं। रंग-बिरंगे कपड़ों से घर सजाते हैं। मिठाइयाँ और फल-फूल अर्पित करते हैं। नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयाँ खाते हैं।

सुलझा : न गद करें! उलझास करें।

चौथा अध्याय शब्द से शब्द

व्याकरण

शब्द भंडार (पेज नं. 38-47)

- पर्यायवाची शब्द ।
- विलोम शब्द ।
- अनेकार्थक शब्द ।
- वाक्यांश के लिए एक शब्द ।
- शब्द रचना ।

हैं। बच्चों को इनकी परिभाषा एवं उदा. दिए गए इनके अर्थ को समझाया जाएगा एवं व्याकरण पुस्तिका में अभ्यास कार्य कराया जाएगा।

- एक-एक रत्न।

1. पर्यायवाची शब्द

1.  शशि → चाँद
चंद्रमा
2.  अंख → नेत्र
संकेत

2. विलोम शब्द

1. हँसना X रोना 2. ऊपर X नीचे

3 → समेकित गद्य

1

जल

पानी



जलना



2

पत्र

पिछड़ी



पत्ता



2

वाक्यांश के लिए एक शब्द

3

रैना में काम करने वाला = रैनिक

2

खेत में काम करने वाला = किसान

15

शब्द खोजो



आ म



छ ली

ची

२२



ल ड की

कुतर्क = अग्रस करें